कार्यक्रम/वर्ग– सर्टिफिकेट	स्नातक प्रथम वर्ष हेतु माइनर/इलेक्टिव हिन्दी पाठ्यक्रम	सेमेस्टर– प्रथम अथवा द्वितीय

विषय – हिन्दी (माइनर हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम)

नोट– यह पाठ्यक्रम (स्नातक–हिन्दी–प्रथम वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसका अध्ययन विद्यार्थी (प्रथम या द्वितीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकता है।

प्रश्न पत्र कोड (A010101M)	प्रश्न पत्र का शीर्षक (हिन्दी भाषा का सामान्य बोध) कोर कम्पल्सरी (अनिवार्य)	क्रेडिट : 06

सत्रीय परीक्षण : अंक 25+75 **पूर्णांक : 100**

Total No. of Lectures- Tutorials- practical (in hours per week) L-T-P-4-0-0

इकाई	पाठ्य विषय	कालांश/व्याख्यान
प्रथम	हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय, हिन्दी भाषा का विकास, भाषा, विभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा	15
द्वितीय	बोली का अर्थ एवं परिभाषाँ, प्रमुख बोलियाँ, लिपि, अर्थ, परिभाषा, देवनागरी लिपि का परिचय	15
तृतीय	हिन्दी का काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल।	15
चतुर्थ	हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवि; विद्यापति, अमीर खुसरो, कबीर, तुलसीदास, सूरदास, जायसी, बिहारी, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', नागार्जुन	15
पंचम	कार्यालयी हिन्दी पत्राचार; आवेदन पत्र; सरकारी पत्र; अर्ध–सरकारी पत्र; विज्ञापन; समाचार लेखन	15
षष्ठम	कंप्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास; कंप्यूटर में हिन्दी का भविष्य; इंटरनेट और हिन्दी, ई–मेल, हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर और वेबसाइट	15

संपादक – प्रो० गीता सिंह, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

संदर्भ ग्रंथ–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय
2. हिन्दी भाषा और प्रायोजनमूलक हिन्दी – प्रो0 गीता सिंह
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
4. हिन्दी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं० डॉ० नगेन्द्र
6. आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ० दुर्गा प्रसाद ओझा
7. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. छायावाद युग – शंभूनाथ सिंह

नोट–समी के लिए उपलब्ध

प्रस्तावित सतत् मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेट) एवं मौखिक/प्रायोगिक परीक्षा 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक

कार्यक्रम / वर्ग–डिप्लोमा	स्नातक द्वितीयवर्ष हेतु– (माइनर हिन्दी पाठ्यक्रम)	सेमेस्टर–तृतीय अथवा चतुर्थ

विषय – हिन्दी (माइनर हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम)

नोट– यह पाठ्यक्रम (स्नातक–हिन्दी–द्वितीय वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसका अध्ययन विद्यार्थी (i) किसी भी सेमेस्टर में कर सकता है।

प्रश्न पत्र कोड A010202M	प्रश्न पत्र का शीर्षक – हिन्दी गद्य साहित्य एवं अनुवाद कोर कम्पल्सरी (अनिवार्य)	क्रेडिट 06

सत्रीय परीक्षण : अंक 25+75 **पूर्णांक : 100**

Total No. of Lectures- Tutorials- Practical (in hours per week) L-T-P-4-0-0

इकाई	पाठ्य– विषय	कालांश / व्याख्यान
प्रथम	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, हिन्दी कहानी, हिन्दी उपन्यास, हिन्दी नाटक, हिन्दी आलोचना, निबंध।	15
द्वतीय	हिन्दी के प्रतिनिधि कथाकार – प्रेमचंद, जैनेंद्र, यशपाल, उषा प्रियंवदा, मन्नू भंडारी, कमलेश्वर, फणीश्वरनाथ रेणु, कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी।	15
तृतीय	हिन्दी के प्रतिनिधि नाटककार एवं निबंधकार – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद, उदयशंकर भट्ट, लक्ष्मीनारायण मिश्र, वृंदावनलाल वर्मा, आ० रामचंद्र शुक्ल, पं०प्रतापनारायण मिश्र, आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी, विद्यानिवास मिश्र, विवेकी राय, कुबेरनाथ राय।	15
चतुर्थ	अनुवाद की अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व, अनुवादक के गुण, दायित्व और विशेषताएँ, अनुवाद का सामाजिक – सांस्कृतिक सन्दर्भ, अनुवाद और संस्कृति, बहुभाषिक समाज में अनुवाद, अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं।	15
पंचम	अनुवाद – हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी, प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद, विधिक अनुवाद।	15
षष्ठम	कोश से तत्पार्य, अनुवाद में कोश की उपयोगिता, विविध विषयों से सम्बद्ध पारिभाषिक शब्दावली, शब्द संग्रह, मुहावरा तथा लोकोक्ति कोश, उच्चारण कोश, साहित्य कोश, विश्व कोश, पुराण एवं मिथक कोश।	15

पाठ्य पुस्तक – हिन्दी गद्य साहित्य एवं अनुवाद

संपादक – डॉ० युवराज सिंह, हिन्दी विभाग, श्री गांधी शताब्दी स्मारक पी०जी० कॉलेज, कोयलसा आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रन्थ–

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह; लोकभारती प्रकाशन प्रयागराज
2. हिन्दी नाटक का इतिहास – सोमनाथ गुप्त
3. गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० सुरेश कुमार